

व्हाइट हाउस में रखा एयर फोर्स वन का मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

वॉशिंगटन(ए)। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में होने वाली उच्चस्तरीय बैठकों के दौरान एक छोटा विमान मॉडल अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। यह दिखने में भले ही एक सजावटी वस्तु जैसा लगे, लेकिन इसे अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष विमान 'एयर फोर्स वन' के नए प्रस्तावित डिजाइन का मॉडल माना जाता है। यह मॉडल हाल के वर्षों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली, उनकी प्रार्थमिकताओं और सार्वजनिक प्रस्तुति का एक प्रमुख प्रतीक बनकर उभरा है। विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और शीर्ष नेताओं के साथ होने वाली बैठकों की तस्वीरों में यह मॉडल अक्सर राष्ट्रपति की मेज पर प्रमुख स्थान पर दिखाई देता है। माना जाता है कि इसे जानबूझकर ऐसी जगह रखा जाता है, जहां कैमरों की नजर सबसे पहले पहुंचे। व्हाइट हाउस में आयोजित कई आधिकारिक मुलाकातों की तस्वीरों और वीडियो में यह मॉडल लगातार दिखाई देता रहा है, जिससे इसकी प्रतीकात्मक अहमियत और बढ़ गई है। यह मॉडल उस नए एयर फोर्स वन विमान की अवधारणा को दर्शाता है, जिसके बाहरी रंग और डिजाइन को लेकर लंबे समय से चर्चा होती रही है। ट्रंप ने पारंपरिक हल्के नीले और सफेद रंग की जगह गहरे लाल, सफेद और नीले रंग का संयोजन प्रस्तावित किया था। इस बदलाव को लेकर अमेरिका में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर बहस भी हुई थी। समर्थकों ने इसे आधुनिक और प्रभावशाली डिजाइन



बताया, जबकि आलोचकों ने इसे दशकों पुरानी परंपरा से अलग कदम माना। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मॉडल केवल विमान का लघु रूप नहीं, बल्कि ट्रंप की ब्रांडिंग रणनीति का भी हिस्सा है। उनका मानना है कि ट्रंप सार्वजनिक मंचों पर प्रतीकों और दृश्य प्रस्तुति का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं। ओवल ऑफिस में आने वाले विदेशी नेताओं के साथ होने वाली तस्वीरों में इस मॉडल की मौजूदगी भी इसी रणनीति का हिस्सा मानी जाती है। एयर फोर्स वन के नए बेड़े को लेकर ट्रंप प्रशासन के दौरान विमान निर्माता कंपनी के साथ लागत और अनुबंध को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई

थी। ट्रंप का दावा रहा कि उन्होंने बातचीत के जरिए परियोजना की लागत कम कराई और सरकारी खर्च में बचत सुनिश्चित की। माना जाता है कि विमान का यह मॉडल उसी पहल और उसके संदेश को भी प्रदर्शित करता है। हाल ही में व्हाइट हाउस के एक वीडियो टूर में ओवल ऑफिस के भीतर रखे कई विमान मॉडलों की झलक भी सामने आई। इनमें अमेरिकी नौसेना की प्रसिद्ध एगोबैटिक टीम 'ब्लू एंजल्स' के लड़ाकू विमान का मॉडल, एफ-35 स्टील्थ फाइटर का मॉडल और अन्य आधुनिक विमानों की प्रतिकृतियां शामिल थीं। इसके अलावा कार्यालय में आधुनिक विमानन तकनीक से जुड़े अन्य

मॉडल भी प्रदर्शित किए गए हैं, जो अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र की क्षमताओं को दर्शाते हैं। **ट्रंप-नेतव्याह के बीच हुआ मंथन, अगले दिन ईरान पर बरसने लगे बम वॉशिंगटन(ए)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की व्हाइट हाउस में हुई बैठक के अगले ही दिन पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया। अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर नए सिरे से हवाई हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई जॉर्डन में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब

में की गई है। इससे पहले क्षेत्र में कुछ दिनों से अपेक्षाकृत शांति थी, लेकिन ताजा घटनाक्रम ने हालात को फिर गंभीर बना दिया है। व्हाइट हाउस में ट्रंप और नेतन्याहू के बीच करीब 90 मिनट तक बंद कमरे में बैठक हुई थी। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद ईरान के मुदे पर एकजुटता जताते हुए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बताया। यह अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी में शुरू हुए संघर्ष के बाद दोनों नेताओं की पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त संदेश में दोनों देशों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय गतिविधियों को लेकर साझा चिंता व्यक्त की। बैठक के तुरंत बाद ईरान ने जॉर्डन में तैनात अमेरिकी सैन्य बलों को निशाना बनाते हुए कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, उनकी वायु रक्षा प्रणाली ने सभी मिसाइलों को रास्ते में ही नष्ट कर दिया और किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। इसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई अभियान शुरू कर दिया। अमेरिकी पक्ष का कहना है कि कार्रवाई का उद्देश्य भविष्य के हमलों की क्षमता को कमजोर करना है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकाने पर हमले के बाद ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि अमेरिका हर हमले का जवाब देगा और ईरान को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

बाब-अल-मंडेब से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने की तैयारी

सना,(ए)। यमन क ईरान समर्थित हूती विद्रोही समूह ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री घेराबंदी की घोषणा के एक सप्ताह बाद अब दक्षिणी लाल सागर से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों पर टोल लगाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। यदि यह योजना लागू होती है तो इससे वैश्विक समुद्री व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ सकता है। हालांकि हूती समूह ने इस प्रस्ताव पर अभी कोई आधिकारिक घोषणा या समय-सीमा जारी नहीं की है।



बताया जा रहा है कि हूती नेतृत्व बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अधिकांश व्यावसायिक जहाजों से शुल्क वसूलने की संभावनाओं का आकलन कर रहा है। बाब-अल-मंडेब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में गिना जाता है, जो दक्षिणी लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसी मार्ग से एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के बीच बड़ी मात्रा में तेल, गैस और अन्य वस्तुओं का समुद्री परिवहन होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी तरह का नया शुल्क या बाधा अंतरराष्ट्रीय व्यापार और शिपिंग लागत को प्रभावित कर सकती है। 20 जुलाई को हूती समूह ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री प्रतिबंधों की घोषणा की थी। इसके बाद क्षेत्र में व्यावसायिक जहाजों पर हमलों

और समुद्री गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ गई है। माना जा रहा है कि समूह इस रणनीति के जरिए क्षेत्रीय संघर्ष में अपना दबाव और प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में हूती संगठन के कुछ वरिष्ठ अधिकारी ईरान गए थे, जहां उनकी ईरानी अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत हुई। इन बैठकों में कथित तौर पर बाब-अल-मंडेब जलमार्ग का उपयोग करने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और न ही ईरान या हूती नेतृत्व ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि चीनी जहाजों को संभावित शुल्क से छूट

दी जा सकती है, ताकि वे इस मार्ग से बिना किसी बाधा के गुजर सकें। हालांकि इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है तो इसका असर केवल सऊदी अरब ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ेगा। यह मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य का एक महत्वपूर्ण विकल्प माना जाता है। ऐसे में दोनों समुद्री मार्गों पर किसी भी प्रकार का तनाव अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति, माल ढुलाई और वैश्विक बाजार में कीमतों की अस्थिरता बढ़ा सकता है। इससे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की चिंताएं भी बढ़ने की आशंका है।

भारत, अमेरिका और चीन से रिश्तों पर बांग्लादेश का बड़ा बयान, कहा- यह पत्नी और सौतन की लड़ाई नहीं

ढाका (ए)। भारत, अमेरिका और चीन के साथ अपने संबंधों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच बांग्लादेश ने स्पष्ट किया है कि उसकी विदेश नीति किसी एक देश के पक्ष या दूसरे के खिलाफ नहीं है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार डॉ. खलीलुर रहमान ने कहा कि एक देश के साथ रिस्ते मजबूत होने का मतलब यह नहीं है कि दूसरे देश के साथ संबंध खराब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अपने राष्ट्रीय हितों को प्रार्थमिकता देते हुए सभी देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहता है। डॉ. खलीलुर रहमान ने कहा, हमारे किसी भी देश के साथ संबंध शुन्य-योग का खेल नहीं हैं। यह पत्नी और सौतन की लड़ाई नहीं है। हम किसी एक देश से रिस्ते मजबूत करने के लिए दूसरे देश से संबंध खराब नहीं करेंगे। जहां हमारे राष्ट्रीय हित होंगे, वहीं हम अपने संबंध आगे बढ़ाएंगे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब बांग्लादेश में अमेरिका के विशेष दूत सर्जियो गोर के दौर और चीन के साथ बढ़ते सहयोग को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा सफल रही और भविष्य में यदि उनकी भारत यात्रा होती है तो वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने अमेरिका के साथ भी संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि विभिन्न देशों के साथ संवाद और सहयोग बढ़ाना ही बांग्लादेश की विदेश नीति का आधार है। यह बयान ऐसे समय आया है जब चटगांव में चीन समर्थित चीनी आर्थिक एवं औद्योगिक क्षेत्र परियोजना पर काम शुरू हो रहा है और अमेरिका की बांग्लादेश के साथ रणनीतिक तथा आर्थिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में बांग्लादेश ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह भारत, अमेरिका और चीन-तीनों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाएगा।

भारतीय मूल के जय आयरलैंड से एकदिवसीय खेलते दिखेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय मूल के राजस्थान में जन्मे क्रिकेटर जय मूंढड़ा अब आयरलैंड क्रिकेट टीम से खेलते नजर आयेंगे। जय को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए आयरलैंड की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। जय का जन्म राजस्थान में हुआ था पर पढ़ाई के लिए वह आयरलैंड चले गए थे। जय का सपना क्रिकेटर बनना था जो अब पूरा होता दिख रहा है। कुछ समय पहले ही जय ने आयरलैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही शानदार प्रदर्शन कर दो मैचों में 5 विकेट लिए थे, जिससे आयरलैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत हासिल की थी। इस प्रदर्शन के बल पर अब उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। यदि जय अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अपना वनडे डेब्यू करते हैं, तो वह आयरलैंड के लिए एकदिवसीय खेलने वाले दूसरे भारतीय मूल के क्रिकेटर बन जाएंगे। आयरलैंड और अफगानिस्तान के बीच 5 से 14 अगस्त के बीच पांच मुकाबलों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके शुरूआती तीन मुकाबलों के लिए संयारलैंड ने अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस सीरीज में कप्तान पॉल स्टर्लिंग भी वापसी कर रहे हैं, जो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान लगी चोट से उबर चुके हैं। जय मूंढड़ा के अलावा, बेन कैलिट्ज और बायसन मैकडेनो को भी उनके हालिया शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। कैलिट्ज भी जय मूंढड़ा के साथ भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीत का हिस्सा थे। हालांकि, चोटों के कारण आयरलैंड को इस सीरीज में कई अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरना होगा। तेज गेंदबाज जोश लिटिल, मैट हॉलैंड, क्रेग यंग, बैरी मैकार्थी, जॉर्डन नील और डेविड डेलानी जैसे प्रमुख खिलाड़ी चयन



के लिए उपलब्ध नहीं थे, जिससे टीम को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पांच मुकाबलों की यह एकदिवसीय सीरीज 5 अगस्त को ब्रेडी में शुरू होगी, जहां 7 अगस्त को दूसरा मैच भी खेला जाएगा। शेष तीन मुकाबले 10, 12 और 15 अगस्त को स्टॉर्मों में खेले जाएंगे। यह सीरीज नए नियुक्त हेड कोच गैरी विल्सन के लिए भी पहला महत्वपूर्ण असहानमेंट होगी। पिछले दशक में आयरलैंड और अफगानिस्तान के बीच सभी फॉर्मेट में कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है, जिसमें द्विपक्षीय क्रिकेट और आईसीसी इवेंट्स, दोनों में कई कड़े और यादगार मुकाबले देखे गए हैं, जिससे यह सीरीज भी रोमांचक होने की उम्मीद है। पांच मुकाबलों की एकदिवसीय डे सीरीज 5 अगस्त को ब्रेडी में शुरू होगी और दूसरा मैच भी 7 अगस्त को उसी वेन्यू पर खेला जाएगा. बाकी तीन मुकाबले 10, 12 और 15 अगस्त को स्टॉर्मों में खेले जाएंगे।

रैना बोले, अनुशासन, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से अच्छा फील्डर बना

रैना बोले, अनुशासन, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से अच्छा फील्डर बना नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना अपनी बल्लेबाजी के साथ ही बेहतरीन फील्डिंग के लिए भी जाने जाते हैं। रैना के अनुसार अनुशासन, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास से ही वह एक एक बेहतर फील्डर बने थे। रैना का मानना है कि लगातार अभ्यास की एक मजबूत संस्कृति भारतीय क्रिकेट में हैं जिससे सभी को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी ट्रेनिंग के लिए निर्धारित समय से आधा घंटा पहले मैदान पर पहुंच जाते थे, क्योंकि उनके सत्र की शुरुआत हमेशा फील्डिंग से होती थी। यह आज की तरह मात्र कुछ कैच पकड़कर समाप्त होने वाला सत्र नहीं था, बल्कि इसमें हाई कैच, ग्राउंड फील्डिंग, स्लिप कैच और पैरलल कैच जैसे विभिन्न अभ्यास शामिल होते थे। वह उत्तर प्रदेश में मोहम्मद कैफ के नेतृत्व को याद करते हैं, जो एक स्टंप लगाकर सीधे उस पर थ्रो करने का अभ्यास कराते थे और कहते थे, अगर सीधे स्टंप पर थ्रो नहीं मारोगे, तो अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलेगी। इन्हीं कठिन और सटीक



अभ्यास सत्रों ने उनकी फील्डिंग को मजबूत आधार दिया। रैना की फील्डिंग को बेहतर बनाने में आदर्श खिलाड़ियों की टिप्स की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि जॉनी रोड्स जैसे महान फील्डर से तारीफ मिलना हमेशा खास होता है, क्योंकि वह हमेशा उनके आदर्श रहे हैं। भारत में उन्हें मोहम्मद कैफ और युवराज सिंह से काफी प्रेरणा मिली। युवराज सिंह पाईंट और कवर पर फील्डिंग करते थे, जबकि रैना मिड-ऑफ पर तैनात रहते थे। उनका लक्ष्य

रहता था कि गेंद उनके बीच से न निकल पाए, जिससे भारतीय टीम के लिए एक मजबूत मध्य-फील्डिंग साझेदारी बनी। रैना ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की एक डरावनी घटना को भी साझा किया, जो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी में इरफान पटन के साथ हुई थी। रविंद्र जडेजा गेंदबाजी कर रहे थे और डेविड वॉर्नर ने स्वीप शॉट खेला, जिसमें गेंद उनके बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में उछल गई। रैना मिडविकेट पर थे और इरफान कैच पकड़ने के लिए

दौड़ रहे थे।रैना ने बताया, मैं सिर्फ गेंद को देख रहा था। मुझे बिस्कुल नहीं पता था कि इरफान कहां हैं। मुझे सिर्फ गेंद, फलडलाइट्स, दर्शकों और पीछे लहराता तिरंगा दिखाई दे रहा था। जैसे ही उन्होंने कैच पूरा किया, उनकी जोरदार टक्कर इरफान पटन से हो गई। रैना ने कहा कि एक पल के लिए उन्हें लगा कि अगर उनका सिर इरफान के शरीर से टकराता तो गंभीर चोट लग सकती थी, लेकिन शुक्र है कि सिर्फ उनका कंधा टकराया और वे कैच पकड़ने में सफल रहे। हालांकि, इस टक्कर में इरफान पटन की पसली में फ्रैक्चर हो गया था और उन्हें काफी चोट आई। इस घटना से हमने एक बड़ी सीख ली कि जिसका कैच हो, उसे जोर से आवाज लगाकर बताना चाहिए। इस घटना ने फील्डरों के बीच बेहतर संवाद की अहमियत को उनके मन में हमेशा के लिए बिठा दिया।रैना ने निष्कर्ष निकाला कि शुरुआती वर्षों में मिला कठिन पटन और अनुभवी साथियों से मिली सीख और मैदान पर हुए ऐसे अनुभवों ने ही उन्हें एक ऐसा फील्डर बनाया, जिसकी फुर्ती, पूर्वानुमान क्षमता और समर्पण की लंबे समय तक प्रशंसा होती रही।

राष्ट्रमंडल खेल: सातवें दिन भारत का मुक्केबाजों का दमदार प्रदर्शन, कई और पदक हुए पक्के ग्लायसो (ईएमएस)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के सातवें दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की उम्मीद और मजबूत कर दी है। खासकर मुक्केबाजी में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, जहां कई मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर देश के लिए पदक पक्के कर दिए। दिन के अंत तक भारत के लिए कुल 21 पदक सुनिश्चित हो चुके थे, जबकि आधिकारिक पदक तालिका में और बढ़ोतरी की उम्मीद बनी हुई है। महिला 51 किलोग्राम वर्ग में साक्षी ने उजरी आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और भारत के लिए एक और पदक सुनिश्चित किया। वहीं महिला 70 किलोग्राम वर्ग में अरुंधति चौधरी ने भी शानदार जीत दर्ज कर अंतिम चार में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच, अंकुश यादव और नरेंद्र बेरवाल ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत के लिए पदक पक्के किए।

आशुतोष के नाम है घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई (ईएमएस)। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक की बात करें तो अधिकतर प्रशंसकों की नज़रें आक्रामक ऑगराउंडर युवराज सिंह की ओर जाती हैं पर ये सही नहीं घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड युवराज नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा के नाम है। आशुतोष ने साल 2023 को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रेलवे की ओर से खेलते हुए यह ऐतिहासिक

रिकार्ड अपने नाम किया था। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने केवल 11 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया जबकि युवराज ने 12 गेंदों में ये कारनामा किया था। इस के साथ ही आशुतोष भारत के लिए सबसे तेज टी20 अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। इस पारी के दौरान आशुतोष ने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्के लगाये जिससे विरोधी गेंदबाजों को कोई

अवसर नहीं मिला। उनकी इस विस्फोटक पारी से रेलवे ने एक विशाल स्कोर बनाया। उनकी यह पारी टी20 फॉर्मेट की तेजी और अनिश्चितता का बेहतरीन उदाहरण है, जहां कोई भी बल्लेबाज किसी भी पल मैच का रुख पलट सकता है। हालांकि, अगर पूरे टी20 क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज़ अर्धशतक के विश्व रिकॉर्ड की बात करें, तो वह नेपाल के दीपेन्द्र सिंह ऐरी

के नाम दर्ज है। उन्होंने साल 2023 में एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ सिर्फ 9 गेंदों में पचास रन बनकार सभी को हैरान कर दिया था। ये एक अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल थी। दीपेन्द्र का यह रिकार्ड आज भी बना हुआ है और इसे तोड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। दीपेन्द्र और आशुतोष ने भले ही युवराज से कम गेंदों में टी20 फिफ्टी जमाई हो,

लेकिन युवराज की 12 गेंदों की पारी आज भी क्रिकेट इतिहास की सबसे यादगार और प्रतिष्ठित पारियों में गिनी जाती है। 2007 टी20 विश्व कप में स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में लगातार छह छक्के लगाने और उसी दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज अर्धशतक पूरा करना, यह ऐसा करिश्मा था जिसने क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया था। युवराज का यह रिकॉर्ड लंबे समय तक

टी20 अंतरराष्ट्रीय में बना रहे। **रहाणे ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा मुम्बई (ईएमएस)।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज अर्जुनराह राहणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 38 साल के राहणे पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे। राहणे ने वैसे तो तीनों ही प्रारूपों में खेला है पर टेस्ट

क्रिकेटर के तौर पर वह अधिक सफल रहे हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की कप्तानी भी की है। साल 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। तब एडिलेड में भारतीय टीम 36 रन पर आउट हो गई थी और विराट कोहली निजी कारणों से घर लौट आए

थे तब विपरित हालातों में रहाणे ने टीम को 2-1 से जीत दिलाई थी। राहणे ने सोशल मीडिया पर गुरुवार सुबह एक वीडियो जारी कर अपने कर संन्यास की घोषणा की। राहणे इस दौरान भावुक नजर आए। गौरतलब है कि इस स्टायलिश बल्लेबाज ने साल 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में टी-20 मैच से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी।